राजस्थान में युवा मित्रों का विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले [राजीव गांधी युवा मित्रों] ने अपनी सेवाएँ बहाल करने की मांग को लेकर ज़िलों और तहसीलों में अपना **विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है।**

मुख्य बिंदु:

- यह संभव है कि राजस्थान सरकार एक संशोधित योजना के तहत **8,000 युवा मित्रों को नियुक्त करने के लिये राज्य बजट में एक नया प्रावधान पेश करेगी।**
- पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई वर्तमान योजना, **राजस्थान गांधी युवा मित्र** को बदलकर **विकसित राजस्थान युवा मित्र** किये जाने की संभावना है।
- लोकसभा चुनाव के लिये **[आदर्श आचार संहिता (MCC)]** लागू होने से पहले लगभग 5,000 युवा मित्रों ने सरकारी नौकरियों में बहाली की मांग को लेकर दो महीने से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया था।
  - मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS) द्वारा यह आश्वासन दिये जाने के बाद कि सरकार की नई योजना के तहत उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप योजना (RGYMIS)

- वर्ष 2021-22 में शुरू की गई **इस योजना का उद्देश्य युवा स्नातकों को व्यावहारिक कार्य अनुभव प्रदान करना** और उन्हें अपने कौशल तथा ज्ञान को विकसित करने में सहायता करना है।
- इसके तहत प्रशिक्षुओं को विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों में रखा गया तथा उन्हें 10,000 रुपए तक का वजीफा दिया गया।
- **इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50,000 युवाओं को नामांकित किया गया था।**
- अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग के अनुसार, यह योजना **राजीव गांधी युवा मित्र (RYM) नामक बौद्धिक एवं स्व-प्रेरित युवाओं का एक समूह विकसित** करने हेतु लाई गई थी।
- इस पहल का उद्देश्य **लोगों को शासन के विषय में शिक्षित करना** और सरकार में उनका विश्वास पैदा करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि उनकी बुनियादी आवश्यकताएँ उनके दरवाजे पर पूरी हों।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/yuva-mitras-protest-in-rajasthan